

डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 24, नीतिवचन पर व्याख्यान 23 का दोहराव

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. एलेन फिलिप्स हैं जो अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम, व्याख्यान संख्या 24 में बोल रही हैं।

अच्छा, सुप्रभात। मसीह की शांति आपके साथ रहे।

धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि आपको आज सुबह केल्विन और हॉब्स पसंद आए होंगे। इसके पीछे एक गंभीर संदेश छिपा है, इसलिए मैं बस इतना कहना चाहता हूँ, जैसा कि मैंने पहले कहा है, मुझे खुद को दोहराने से नफरत है, लेकिन मैंने पाया है कि कभी-कभी यह थोड़ा मूल्यवान होता है।

कृपया, कृपया, कृपया, जैसा कि आप यह एक-पृष्ठ का पेपर लिख रहे हैं, इसे चार या पाँच-पृष्ठ के पेपर के रूप में शुरू करना चाहिए, क्योंकि आप वह सब कुछ लिखते हैं जो आपको लगता है कि आप जानते हैं और फिर सभी अनावश्यक शब्दों को कम करके हटा दें। हममें से अधिकांश लोग बहुत ज़्यादा लिखते हैं क्योंकि हमें हाई स्कूल में पाँच-पृष्ठ का पेपर लिखना सिखाया गया है, और इसलिए आप पाँच पृष्ठ पाने के लिए बहुत कुछ जोड़ रहे हैं। अब, मैं चाहता हूँ कि आप वास्तव में एक संक्षिप्त, उत्कृष्ट, अच्छी तरह से संरचित, विचारशील, उत्तेजक, जो भी आप इसे कहते हैं, लिखें।

तुम्हें पता है, बस मुझे उससे एक अच्छा पेपर बना दो। कैरी कल रात के लिए अपने समीक्षा सत्र के प्रारूप को थोड़ा बदलने जा रही है, और वह आपको उस घंटे के दौरान आने के लिए आमंत्रित करती है। वह आपके पेपर पढ़ेगी, उन पर एक नज़र डालेगी, और उन्हें बारीकी से जाँचेगी।

कैरी मेरे साथ कई कक्षाओं में पढ़ चुकी है, इसलिए वह जानती है कि एक पेज का पेपर कैसा दिखना चाहिए। इसलिए, अगर आप इसका फ़ायदा उठाना चाहते हैं, तो कल रात चेस 26 में 7 बजे हैं, और यह आवाज़ अभी भी थोड़ी गूँज रही है, है न? क्या आपको बहुत ज़्यादा आवाज़ आ रही है? मुझे लग रहा है कि यह बहुत ज़्यादा गूँज रही है। क्या यह कोई बेहतर है? ठीक है, अगर हमें ज़रूरत हो तो हम इसे एडजस्ट कर सकते हैं।

क्या आपके पास इन पेपर्स के बारे में कोई सवाल है? जैसा कि मैंने पिछले सप्ताह कहा था, जब मैं इनके बारे में बात कर रहा था, तो सुनिश्चित करें कि आप स्रोतों, पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों, पुस्तकालय में मौजूद टिप्पणियों की पूरी अलमारियों से परामर्श लें। उन पर जाएँ। मैथ्यू हेनरी का उपयोग न करें जो ऑनलाइन है।

मैथ्यू हेनरी कुछ चीजों के लिए तो बढ़िया है, लेकिन इस पेपर के लिए नहीं। और दूसरी चीजें जो ऑनलाइन हैं, आप उनका इस्तेमाल नहीं करना चाहेंगे। मुझे आपको यह बताते हुए दुख हो रहा है।

लाइब्रेरी का इस्तेमाल करो। इससे तुम्हारी जान नहीं जाएगी। हाँ, सुझाना।

हाँ, यह एक अच्छा सवाल है। मैं चाहता हूँ कि आप पैराग्राफ़ में सोचें। एक पूरा पेज, क्योंकि आप इस पेपर में जो कर रहे हैं, उसमें कुछ उप-मुद्दे होंगे जिन्हें आप संबोधित करेंगे, जाहिर है, चाहे आपने कोई भी कहावत चुनी हो।

तो, मैं एक सामान्य नियम का सुझाव दूंगा। आपके पेपर में तीन या चार अच्छे, ठोस पैराग्राफ़ होने चाहिए। तो, धन्यवाद।

अच्छा सवाल है। हाँ। आप चाहते हैं कि यह डबल-स्पेस हो।

हाँ, डबल-स्पेस। सिंगल-स्पेस से आप पेज पर बहुत कुछ पा सकेंगे, लेकिन हम यही नहीं चाहते। हम संक्षिप्तता चाहते हैं।

हाँ, केट। प्रारंभिक कार्य से आपका क्या मतलब है? वह सब कुछ जो मैं आपको चरण एक, दो, तीन, चार, इत्यादि करने के लिए कहता हूँ। आप जानते हैं, आप इस पर नोट्स लेते हैं, आप उस पर नोट्स लेते हैं, आप मुझे बताते हैं कि आप इसके बारे में क्या सोचते हैं, और आप मुझे बताते हैं कि टिप्पणी क्या कहती है।

आपको एक पेज के पेपर के साथ-साथ सब कुछ जमा करना है। क्या मैं अंग्रेजी नहीं बोल रहा हूँ? आप हैरान दिख रहे हैं। आपको इसे टाइप करने की ज़रूरत नहीं है।

जैसा कि मैंने अपने ईमेल में कहा था, मुझे लगता है कि मैंने आपको इस बारे में एक ईमेल भेजा है। जैसा कि मैंने ईमेल में कहा था, आप चाहें तो वह सब कुछ हाथ से लिखकर नियत तिथि पर कक्षा में ला सकते हैं। यदि आप अपना पेपर ऑनलाइन जमा कर रहे हैं, तो उसे एक दस्तावेज़ बना लें।

अगर आपने इस सामान का इस्तेमाल किया है, और वैसे, आपके कंप्यूटर में पहले से टाइप की गई इस सामग्री का इस्तेमाल करने से आपको कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि तब आप बस इसे काट-छांट कर पेस्ट कर सकते हैं और, आप जानते हैं, इसे थोड़ा इधर-उधर कर सकते हैं, बजाय हस्तलिखित नोट्स के। लेकिन यह आप पर निर्भर है। मैं बस इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि मुझे अंतिम पेपर चाहिए, लेकिन मैं प्रारंभिक कार्य भी देखना चाहता हूँ।

क्योंकि मैं ग्रेड का हिस्सा देता हूँ, ग्रेड का एक हिस्सा उसी पर आधारित होता है। हाँ, जिंजर। हाँ, आपका अंतिम पेपर, आपका उपदेश, चाहे जो भी हो, आप इसे जो भी नाम देना चाहें, वह सब कुछ उस पर आधारित होगा जिस पर आपने शोध किया है और जिसके बारे में आपने सोचा है और जिसे आपने एक साथ रखा है।

अच्छा। अब उनसे पूछो। चलो, मान लेते हैं कि मुझे खेद है; आगे बढ़ो, कैटलिन।

हाँ, आप जानते हैं, यह आपके प्रारंभिक कार्य का हिस्सा है। तो, मुझे अपना पहला ड्राफ्ट या ड्राफ्ट दिखाओ। यह भी ठीक है।

मैं उन्हें देखूंगा और देखूंगा कि अंतिम पेपर लिखने से पहले आप कहां थे। आप जो कुछ भी करते हैं, वह इस पेपर को लिखने की आपकी प्रक्रिया का हिस्सा है, मैं देखना चाहता हूँ। और जितना अधिक होगा, भले ही आपके अंतिम पेपर में यहां-वहां कुछ कमी हो, अगर मुझे लगता है कि यह प्रारंभिक कार्य में है, तो इससे आपको मदद मिलेगी।

इससे आपको बहुत मदद मिलेगी। एक आखिरी मौका। सवाल? खैर, अब साथ मिलकर गाने का समय है।

चलिए फिर से भजन 51 पर चलते हैं। मैंने आपको यहाँ इसका अंग्रेजी अनुवाद दिया है, ताकि अगर आपके पास गाते समय इसे देखने का समय हो तो आप इसे पढ़ सकें। या अगर आप गा नहीं रहे हैं, तो आप अंग्रेजी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं क्योंकि यह हमारे दिन की शुरुआत करने का एक शानदार तरीका है।

हमारा दिन और हमारा सप्ताह एक साथ।

स्वर्ग में पिता, हम पर आपकी भलाई के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आपका धन्यवाद कि हमें आज सुबह उठने, भोजन करने, गर्मी और सुरक्षा पाने, अध्ययन करने के इस अवसर का आनंद लेने, मित्र बनाने के उपहार और विशेषाधिकार मिले हैं।

प्रभु, इन सभी बातों में, हम इस बात को ध्यान में रखते हैं कि हम उन्हें हल्के में लेते हैं, लेकिन वे आपके अच्छे हाथों से आ रही हैं। और इसलिए, हम इसके लिए आभारी हैं। हम आपके वचन के लिए आभारी हैं।

हम इसके इस भाग के लिए आभारी हैं जिसका हम आज अध्ययन करने जा रहे हैं। और हम ईमानदारी से एक साथ प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि आप हमें सावधानीपूर्वक और स्पष्ट रूप से सोचने में मदद करें। आपका वचन हमारे दिलों में जीवित और सक्रिय हो और आज भी सक्रिय हो ताकि कुछ ऐसी चीज़ों को छाँट सकें जो आपको नापसंद हैं।

हे प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं कि हमें परिष्कृत करें, और हमें सिखाएँ, हमें आपके राज्य में बेहतर सेवक बनने के लिए तैयार करें। जब हम इन चीज़ों के लिए भुगतान करते हैं, तो हम स्थानीय स्तर और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों क्षेत्रों में अपने नेताओं के लिए भी प्रार्थना करेंगे। उन्हें आपकी बुद्धि की आवश्यकता है, प्रभु।

हम प्रार्थना करते हैं कि आप अपनी कृपा और दया से उन्हें यह प्रदान करें। पिता, हम ये बातें मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ मांगते हैं। आमीन।

खैर, आज हम ज्ञान साहित्य पर चर्चा करेंगे। विशेष रूप से, कुछ परिचयात्मक टिप्पणियों के बाद, हम नीतिवचन की पुस्तक पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं, यदि आपने व्याख्यान की रूपरेखा डाउनलोड कर ली है, तो समीक्षा के लिए बस थोड़ा सा डाउनलोड करें, क्योंकि यह देखने के लिए कि यह कैसे काम करने वाला है, ऐसा करने में कोई बुराई नहीं है।

याद कीजिए जब हम डेविड के पास पहुँचे तो हम ऐतिहासिक चीज़ों से निपट रहे थे, और यह वास्तव में एक उचित समय था कि हम थोड़ा अलग हटकर भजनों को देखें, क्योंकि उनमें से बहुत से डेविड के नाम से जुड़े हैं। और इसलिए हमने उस संदर्भ में कुछ काव्य सामग्री उठाई। अब, जब हम सुलैमान की ओर बढ़ते हैं, तो सुलैमान बुद्धि के अलावा किस लिए जाना जाता था? चार डब्ल्यू? मेरी? वहाँ थोड़ी मदद।

हाँ, महिलाएँ, धन, पूजा, बुद्धि। मददगार किस्म की चीज़ें। और हाँ, आज, चूँकि सुलैमान का नाम उन चार पुस्तकों में से तीन से जुड़ा है जिन्हें हम ज्ञान के ग्रंथ मानते हैं, इसलिए हम फिर से ऐतिहासिक सामग्रियों से हटकर ज्ञान साहित्य पर कुछ समय बिताने जा रहे हैं।

बस एक त्वरित समीक्षा। हिब्रू कविता की विशेषताएँ क्या हैं? हिब्रू कविता की प्राथमिक विशेषता क्या है? चेल्सी? यह समानता है। अच्छा।

और जब हम इस बारे में बात कर रहे थे तो हम किन तीन तरह की समानताओं पर पहुँचे? आप जिम्मेदारी किसी और पर डालना चाहते हैं... ठीक है, सिंथेटिक का क्या मतलब है? चलिए इस पर बात करते हैं। ठीक है। पहली पंक्ति, जोड़ा गया, जोड़ा गया, जोड़ा गया।

और बाकी दो क्या हैं? केट? विरोधाभासी। ठीक है, इसका मतलब है कि पहली पंक्ति में अगली पंक्ति में एक तरह का विपरीत कहा गया है। और जैसा कि मैंने आपसे कहा था जब हम इस बारे में बात कर रहे थे, यह नीतिवचन की पुस्तक में है, विशेष रूप से अध्याय 10 से शुरू होकर अध्याय 15 तक, जहाँ हमारे पास विरोधाभासों का एक बड़ा संग्रह है।

और यह कोई संयोग नहीं है क्योंकि नीतिवचन की पुस्तक का एक कार्य विद्यार्थी को सिखाना है, और हम इसके बारे में थोड़ी देर में और अधिक बताने जा रहे हैं, विद्यार्थी को विवेक सिखाना। और विवेक सिखाने का इससे बेहतर कोई तरीका नहीं है कि एक तरफ़ आपके पास यह है और दूसरी तरफ़ आपके पास यह है। सोचिए कि कौन सा बेहतर है, ठीक है? और इस तरह आपके विरोधी इस तरह से काम करते हैं।

तीसरी तरह की समानता क्या है? एक और समानता जो SYN से शुरू होती है। हाँ, सुज़ैन। आह, यह एक तरह का योग है।

हाँ, इसे पकड़ो या पीछे छोड़ दो। इसे अपने पीछे मत रखो। बस यहाँ समन्वय स्थापित करो।

लेकिन हमारे पास विरोधाभासी शब्द है। हमारी समानता के संदर्भ में विरोधाभासी शब्द का विपरीत क्या है? समानार्थी, ठीक है। ठीक है, हाँ।

ठीक है, तो पहली पंक्ति दोहराई गई है लेकिन अलग शब्दावली के साथ ताकि आपके पास वैचारिक विचार हों जो दो बार प्रस्तुत किए जा रहे हैं। और फिर, जैसा कि हमने कहा, यह हमारी सीखने की संभावना में मदद करता है। तो समानार्थी, विरोधी, संश्लेषी, ये तीन बुनियादी हैं।

और जैसा कि हमने हिब्रू कविता के बारे में बात करते समय कहा था, उनमें से कुछ का संयोजन है और अन्य प्रकार की समानताएँ भी हैं। लेकिन ये अभी हमारे लिए काफी उपयोगी हैं। नीतिवचन में जाने से पहले हम जो कुछ करना चाहते हैं, उनमें से एक है ज्ञान के बारे में इसके व्यापक संदर्भ में बात करना क्योंकि यह केवल बाइबिल की सामग्री नहीं है जिसमें, उद्धरण, उद्धरण रहित, ज्ञान साहित्य है।

आप जिस भी संस्कृति को देखें, जिसमें साहित्यिक पारंपरिक संग्रह है, उसमें कुछ न कुछ ऐसा है जो ज्ञान साहित्य की इस सामान्य श्रेणी में आता है क्योंकि मनुष्य होने के बारे में कुछ ऐसी बातें हैं जो हमें सोचने, विचार करने, संघर्ष करने और चुनाव करने के लिए प्रेरित करती हैं और हम इसे यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से करना चाहते हैं क्योंकि, निश्चित रूप से, हम अपने जीवन में मार्गदर्शन और दिशा की भावना चाहते हैं। इसलिए मैंने बस कुछ चीजों को सूचीबद्ध किया है जो ज्ञान के बारे में हमारे विचारों को आकार देने जा रही हैं। पहली है मानवीय इच्छा।

हम ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन हम अक्सर सोचते हैं कि हम कर सकते हैं। और हमें बौद्धिक क्षमताएँ दी गई हैं जो हमें उन चीजों से निपटने की अनुमति देती हैं जो हमारे पर्यावरण और हमारी दुनिया का हिस्सा हैं। और इसलिए संपूर्ण मानवीय इच्छा और प्रवृत्ति जितना संभव हो सके नियंत्रण में रहना चाहती है, तर्क की शक्ति के माध्यम से जीवन पर महारत हासिल करना चाहती है।

भगवान ने हमें एक उद्देश्य के लिए हमारा दिमाग दिया है, और हमें उसका इस्तेमाल करना चाहिए। वास्तव में, अपने दिमाग का इस्तेमाल करना सबसे आध्यात्मिक चीजों में से एक है जो आप कर सकते हैं क्योंकि यह भगवान का उपहार है। और इसलिए इस समझ के भीतर कि भगवान, निश्चित रूप से, संप्रभुतापूर्वक इस बात पर नियंत्रण रखते हैं कि सब कुछ कैसे सामने आता है, हमारी मानसिक क्षमताओं का उपयोग करने और यथासंभव सर्वोत्तम तरीके से, जितना संभव हो सके, उन विकल्पों को चुनने की जगह है जो सबसे अधिक समझ में आते हैं।

तो यह उन चीजों में से एक है जो व्यापक अर्थों में ज्ञान की इस पूरी चर्चा को आकार देने जा रही है। मैंने बाकी सभी बातें भी यहाँ रखी हैं। उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, निर्देश स्वीकार करना बहुत महत्वपूर्ण है।

अगर आपने आज के लिए पुराने नियम के समानांतरों में असाइनमेंट पढ़ा है, तो अमेनेमपेट की बातें, वे निर्देशात्मक हैं, ठीक वैसे ही जैसे नीतिवचन की पुस्तक निर्देशात्मक है। और हम जानते हैं कि निर्देश प्राप्त करना कितना महत्वपूर्ण है। नीतिवचन में मुख्य फोकस क्या है? यह पिता द्वारा अपने बच्चे से बात करना है।

मेरे बच्चे, यह, यह, यह और यह। अपनी माँ की शिक्षा सुनो। अपने पिता की शिक्षा पर ध्यान दो।

उन आदेशों को अपने दिल में संजोकर रखें। ठीक है? तो निर्देश महत्वपूर्ण है, और यह आपको बुलेट नंबर तीन की ओर ले जाता है, जो इन चीजों को आगे बढ़ाता है। परंपरा और पारंपरिक चीजें हर पीढ़ी के लिए अभिशाप नहीं होनी चाहिए।

कभी-कभी हम ऐसा सोचते हैं। ओह, यह तो बस पारंपरिक है। आप जानते हैं, मुझे कुछ नया चाहिए।

ऐसा मत सोचो। परंपरा से जो मिलता है, वह बहुत मूल्यवान है, खास तौर पर हमें सोचने में मदद करने में, और अच्छी तरह से सोचने में, और इस बारे में स्पष्ट रूप से सोचने में कि हम अपना जीवन कैसे जीते हैं। बुलेट चार भी बेहद दिलचस्प है, खास तौर पर नीतिवचन के संबंध में, क्योंकि जब आप नीतिवचन को पढ़ेंगे, तो आप देखेंगे कि उनमें से हर एक एक छोटा सा टुकड़ा है।

कुछ मामलों में, वे मानव स्वभाव का व्यंग्यात्मक चित्रण हैं। अन्य मामलों में, वे सलाह के छोटे-छोटे टुकड़े हैं। अन्य मामलों में, वे इस बारे में अवलोकन हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं।

और बेशक, हर एक में सिर्फ़ इतनी ही चीजें समाहित हो सकती हैं, और इसलिए दूसरे कोण और दूसरे पहलू भी होंगे। एक हीरे के बारे में सोचिए, और अपने हीरे के ज़रिए चमकती हुई रोशनी के बारे में सोचिए, और आप देखेंगे कि जैसे ही वह दूसरी तरफ़ से निकलती है, अलग-अलग रंग निकल आते हैं, है न? और कुछ मायनों में, आप ज्ञान साहित्य के साथ भी यही होने जा रहे हैं। हर छोटा रत्न, खास तौर पर नीतिवचन की किताब में, कुछ दिलचस्प योगदान देने जा रहा है।

मैं आपको इसका शायद सबसे बेहतरीन उदाहरण देता हूँ। इसके लिए आपको नीतिवचन 26 का सहारा लेना होगा। अगर आपके पास बाइबल है, तो आप ऐसा कर सकते हैं।

और मैं पढ़ने जा रहा हूँ, और हम यहाँ तीसरी कक्षा का एक छोटा सा अभ्यास करने जा रहे हैं, आप में से उन लोगों के लिए जिनके पास अपनी बाइबल है। आप में से जिनके पास नहीं है, उन्हें इस बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है कि मैं क्या करने के लिए कह रहा हूँ। लेकिन अगर आपके पास अपनी बाइबल है, तो अपना हाथ तैयार रखें और इसे अध्याय 26 की आयत 4 के ठीक नीचे थपथपाएँ।

श्लोक 4 के ठीक नीचे। मैं आपको पहले अध्याय 26 पर ले चलूँगा। क्या आपने इसे कवर कर लिया है? यह अभ्यास है। ठीक है।

अध्याय 26, श्लोक 4 कहता है, मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर मत दो, नहीं तो तुम भी उसके जैसे हो जाओगे। दूसरे शब्दों में, अगर कोई तुम पर चिल्ला रहा है, चीख रहा है और गुस्सा कर रहा है, तो तुम भी चिल्लाओ मत और गुस्सा करो। तुम खुद को उस स्तर तक गिरा चुके हो।

बढ़िया सलाह है, है न? बढ़िया सलाह है न? जिसे हममें से ज्यादातर लोग गंभीरता से ले सकते हैं, क्योंकि आम तौर पर जब कोई हम पर बहुत गुस्सा होता है, तो हम जो जवाब देते हैं, उसका पूरा डेसिबल लेवल ऊपर चला जाता है। बढ़िया सलाह। अपना हाथ हटाओ और मुझे श्लोक 5 पढ़ने दो। मूर्ख को उसकी मूर्खता के हिसाब से जवाब दो, नहीं तो वह अपनी नज़र में बुद्धिमान बन जाएगा।

अब, इसका मतलब यह नहीं है कि आप उस पर चिल्लाएँ, लेकिन इसका मतलब है कि आप उस व्यक्ति से बात करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उस व्यक्ति को अपनी मूर्खता और मूर्खतापूर्ण विचारों के बारे में सोचने की अनुमति न दी जाए। और इसलिए दो सलाह, और जब आप उन दोनों को देखते हैं और आप उन स्थितियों को देखते हैं जिनमें हम खुद को दैनिक आधार पर पाते हैं, तो यह पता लगाने के लिए बहुत अधिक विवेक और बुद्धि की आवश्यकता होती है कि उनमें से कौन सी यहाँ और अभी लागू होती है। है न? और इसलिए यह एक छोटा सा उदाहरण है जो मैं चौथी बुलेट के साथ कहने की कोशिश कर रहा हूँ।

हमारे पास ज्ञान साहित्य में एक अद्भुत संसाधन है, जिसके ज़रिए हम यह तय कर सकते हैं कि किसी विशेष परिस्थिति के बारे में कैसे सोचना है, लेकिन इसके लिए बहुत समझदारी की ज़रूरत होती है। मैं थोड़ी देर बाद समझदारी के बारे में बात करने जा रहा हूँ, जब हम सोचेंगे कि इन कहावतों को जीवन में कैसे लागू किया जाए। खैर, अब तक की सभी बातें मुख्य रूप से कहावतों पर केंद्रित रही हैं, लेकिन जैसे-जैसे हम अय्यूब की किताब में आते हैं, और आप यह अच्छी तरह से जानते हैं क्योंकि अय्यूब, बेशक, भले ही आपने पूरी किताब गंभीरता से न पढ़ी हो, हम जानते हैं कि मुख्य बात क्या है।

अय्यूब अन्यायपूर्ण रूप से पीड़ित है, और जब हमें पीड़ा और व्यापक पीड़ा से निपटना पड़ता है, और पीड़ा जिसे हम समझ नहीं पाते हैं, और जब हमें मृत्यु और नश्वरता की संभावना से निपटना पड़ता है, जो केवल अय्यूब की पुस्तक में ही नहीं, बल्कि सभोपदेशक की पुस्तक में भी है, सभोपदेशक का लेखक मृत्यु से जूझ रहा है। और ये दोनों ज्ञान साहित्य के महत्वपूर्ण अंश भी हैं। अब, ये हमारे बाइबिल के ज्ञान के अंश हैं, लेकिन हर दूसरी संस्कृति को इन्हीं चीज़ों से जूझना होगा।

पीड़ित और उसका दोस्त मेसोपोटामिया के ज्ञान साहित्य का एक अंश है। इसमें अय्यूब के समान ही विषय हैं, क्योंकि आप जहाँ भी जाते हैं, लोग इंसान ही होते हैं, वे गलत हो सकते हैं, वे सीमित होते हैं, और वे इन चीज़ों से जूझ रहे होते हैं। इसलिए ये ज्ञान के सार्वभौमिक पहलू हैं जिन्हें हम अपने ज्ञान साहित्य, हमारे बाइबिल ज्ञान साहित्य के माध्यम से बात करते समय पृष्ठभूमि में रखना चाहते हैं।

इस संबंध में बस कुछ बातें कहनी हैं। मैंने पहले ही इसका उल्लेख किया है। पुराने नियम के समानांतरों में आप जो कुछ पढ़ रहे हैं, उससे आपको इस बारे में थोड़ी जानकारी मिलेगी, लेकिन मैंने अभी जो कारण बताए हैं, उनके लिए और भी बहुत कुछ है।

मानवजाति इन सवालों से जूझती है। अब यहाँ हमने मूल रूप से उन बातों की समीक्षा की है जो मैंने अभी कुछ समय पहले कही थी जब मैं उन पिछली बुलेट्स में से कुछ के बारे में बात कर रहा था, और आप इन चीजों को जानना चाहेंगे, वे चीजें जो बाइबल के प्रत्येक ज्ञान ग्रंथ की विशेषता हैं। सबसे पहले, नीतिवचन व्यावहारिक है।

पुराने नियम के एक बेहतरीन टिप्पणीकार, जिन्होंने नीतिवचन पर एक छोटी सी टिप्पणी भी लिखी है, ने कहा है, नीतिवचन काम के कपड़ों में ईश्वरीयता है। और यह बिल्कुल वैसा ही है। यह हमें बताता है कि हम सुबह जल्दी उठते समय कैसे होते हैं, हम जैसे होते हैं, ठीक है, यह एक तरह से एक सिद्धांत लेना और उसे लागू करना है, जब हम सड़क पर गाड़ी चला रहे होते हैं और हम सड़क पर क्रोध या कुछ इसी तरह की चीजों की ओर आकर्षित होते हैं।

कहावतें ईश्वरीयता को काम के कपड़ों में ढालने जैसा है। यह इसे देखती है। और जैसा कि मैं थोड़ी देर में कहने जा रहा हूँ, यह कभी-कभी हमारे सबसे बुरे रूप को भी चित्रित करती है और हमारा मज़ाक उड़ाती है, और हमें उससे भी कुछ सबक लेने चाहिए।

अय्यूब और सभोपदेशक इन मुद्दों से जूझते हैं जिनका मैं उल्लेख करता रहा हूँ, पीड़ा, मृत्यु। और क्योंकि हम इस बारे में बहुत कुछ नहीं जानते कि आगे क्या है और हम इनमें से बहुत से मामलों में क्यों नहीं जानते हैं, इसलिए जो प्रश्न उठते हैं, उन्हें काल्पनिक ज्ञान साहित्य या दार्शनिक के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। और फिर अंत में, गीतों का गीत, दिलचस्प रूप से, ज्ञान साहित्य के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया था।

काफी समय तक इसे सिर्फ गीतात्मक कविता ही माना जाता था। लेकिन धीरे-धीरे यह ज्ञान साहित्य की श्रेणी में आ गया। आपको क्यों लगता है कि यह सच है? हम शुक्रवार को शुक्रवार के हिस्से, सॉन्ग ऑफ सॉन्स के बारे में बात करने जा रहे हैं।

आपको क्यों लगता है कि सॉन्ग ऑफ सॉन्स ज्ञान साहित्य में है? अगर आपने इसे पढ़ा है, तो आप जानते हैं, इस पर आपका पहला विचार यह होगा, ओह, वास्तव में? सॉन्ग ऑफ सॉन्स का मुख्य विषय क्या है? एक शब्द। यह एल से शुरू होता है। यह प्यार है, है न? और यह दो लोगों के बीच का प्यार है जो मोहित हैं। वे मंत्रमुग्ध हैं।

वे एक दूसरे के लिए बस खुश हैं। हमारे जीवन में सभी जगहों में से, यही वह जगह है जहाँ हमें बुद्धिमान होने की ज़रूरत है, है न? और इसलिए हम उन कुछ चीजों के बारे में बात करने जा रहे हैं जो हम उन अद्भुत, आनंदमय कविताओं से सीखते हैं जो गीतों का गीत हैं। वह शुक्रवार है।

ठीक है। नीतिवचन में जाने से पहले परिचय के तौर पर कुछ और बातें करनी हैं। मैंने अभी जो कुछ आपसे कहा है और बाइबल के ज्ञान साहित्य के अंतर्गत आने वाली इस व्यापक सामग्री को देखते हुए, आप जानते हैं कि हम ज्ञान को कैसे परिभाषित करते हैं? खैर, बेशक, शुरुआती बिंदु वह है जो हम न केवल नीतिवचन 9, 10 में देखते हैं, बल्कि अय्यूब 28, 28 में भी देखते हैं, और भजन संहिता में कहीं भी जो मुझे याद नहीं आ रहा है।

लेकिन यह एक बार-बार दोहराया जाने वाला विषय है। प्रभु का भय बुद्धि की शुरुआत है। और यह स्पष्ट रूप से एक सहायक सिद्धांत होने जा रहा है क्योंकि हम बाइबल की बुद्धि के बारे में बात कर रहे हैं।

यह प्रभु का भय है। क्योंकि अगर हमारे पास यह नहीं है, तो हम बुरी स्थिति में हैं। और बाइबिल का मूर्ख, अगर आपने आज के लिए डॉ. विल्सन की सामग्री पढ़ी है, तो बाइबिल के मूर्खों में सबसे बुरा एक नाबाल है जिसका नाम, माफ़ करें, हाँ, एक नाबाल है, जिसका शब्द बाइबिल के नाम नाबाल के अंतर्गत आता है।

और हम उसे अबीगैल के पति के रूप में याद करते हैं, जो एक कठोर मूर्ख है, ठीक है, परमेश्वर को अस्वीकार करता है और परमेश्वर के निर्देश को अस्वीकार करता है। तो यह एक बहुत ही उपयोगी प्रारंभिक बिंदु है, लेकिन हम इसे थोड़ा और आगे बढ़ाना चाहते हैं। मैंने इसे बाइबिल की बुद्धि को परिभाषित करने की चुनौती कहा है, और यह एक चुनौती है क्योंकि, हमने जो अभी कहा है उसे उठाते हुए और उसमें थोड़ा जोड़ते हुए, यदि बुद्धि परमेश्वर की विशेषताओं में से एक है, तो आप में से जो लोग धर्मशिक्षा जानते हैं, शायद बहुत से लोग अब इसे नहीं जानते हैं, लेकिन वेस्टमिंस्टर शॉर्टर धर्मशिक्षा से हम जो चीजें सीखते हैं, हम में से जो लोग प्रेस्बिटेरियन संदर्भ में पले-बढ़े हैं, उनमें से एक यह है कि बुद्धि परमेश्वर की उन केंद्रीय विशेषताओं में से एक है।

और बुद्धि शक्ति, न्याय, पवित्रता, न्याय, भलाई और सत्य है, यही वह रेखा है। बुद्धि ईश्वर की एक विशेषता है। आप ईश्वर की उस विशेषता को कैसे परिभाषित करेंगे जो अनंत और पूरी तरह से शुद्ध और पवित्र और अचूक है? आप जानते हैं, हमारे दिमाग में यह कैसे समा जाता है? अच्छा सवाल है।

यह हमारी चुनौती का हिस्सा है। दूसरा, मैंने अभी जो कहा, उसे आगे बढ़ाते हुए, जब हम इन चार बाइबिल ज्ञान ग्रंथों को देखते हैं, तो उनमें विषय-वस्तु और उद्देश्य की व्यापक रेंज होती है। तो आपके पास नीतिवचन, बुनियादी व्यावहारिक सलाह है, और हम जल्द ही उस पर विचार करने जा रहे हैं।

आपके पास मानव स्वभाव के बारे में अवलोकन हैं, लेकिन आपके पास अनुत्तरित प्रश्नों से जूझने का भी समय है। आप ऐसी परिभाषा कैसे प्राप्त करते हैं जो इन सभी को समाहित करती है? खैर, दो लेखक, आइए संदर्भ प्राप्त करें, मेरा मानना है, एक पुस्तक जिसका उपयोग मैं बाइबिल अध्ययन के परिचय में करता हूँ, जिसे बाइबिल के विशेषज्ञ पढ़ते हैं, चाहे आपको यह पसंद हो या न हो। और यह गॉर्डन फी और डगलस स्टीवर्ट द्वारा लिखी गई है, जो दोनों ही, जब उन्होंने इस पाठ का पहला संस्करण लिखना शुरू किया था, गॉर्डन कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी में प्रोफेसर हुआ करते थे।

वे सामने आए हैं, और यह वास्तव में डग स्टीवर्ट की परिभाषा है क्योंकि उन्होंने पुराने नियम के खंडों को काफी अच्छी परिभाषा के साथ लिखा था, और मुझे यह पसंद है, भले ही उन्होंने इसे दूसरे और तीसरे संस्करण में बदल दिया हो। मैं पहले संस्करण पर वापस जा रहा हूँ क्योंकि यह एक बेहतरीन परिभाषा है। यह अनुशासन है।

बुद्धि हमारे मस्तिष्क में यूँ ही तैरती हुई नहीं आती। यह अनुभव के प्रकाश में जीवन में सत्य को लागू करने का अनुशासन है। और बेशक, हमारे अनुभव हमारे दोस्तों या परिवार या किसी और के माध्यम से मृत्यु का सामना करने पर हमारे साथ होने वाले संघर्ष को भी शामिल करते हैं।

यह हर तरह के दुख से निपटने का हमारा अनुभव है। इसका यह भी मतलब है कि हम सत्य को जानने के लिए बहुत मेहनत करते हैं, और मैं इसके बारे में थोड़ी देर में और बात करूँगा। तो यह हमारे अनुभवों के प्रकाश में हमारे अपने जीवन में सत्य को लागू करने का अनुशासन है।

मुझे लगता है कि यह एक काफी अच्छी परिभाषा है, और मैं आपसे इसे जानने के लिए कह सकता हूँ। तो लाल झंडों को वहाँ रखें, ठीक है? यह एक ऐसी परिभाषा है जिसे आपको याद रखना चाहिए। इसके विपरीत, और हम मूर्खों के प्रकारों के बारे में थोड़ी देर बाद बात करने जा रहे हैं, लेकिन बाइबिल की मूर्खता या मूर्खता का बौद्धिक क्षमता से कोई लेना-देना नहीं है।

इसका संबंध इस बात से है कि हम परमेश्वर के निर्देश को स्वीकार करते हैं या नहीं। इसीलिए नीतिवचन की पुस्तक बार-बार कहती है कि मेरी आज्ञाओं को संग्रहित करो, मेरी शिक्षा को स्वीकार करो, खोजो, खोजो, खोजो, और ये सभी बातें परमेश्वर के निर्देश को ग्रहण करने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं। यही वह काम है जो एक बुद्धिमान व्यक्ति करेगा।

एक मूर्ख व्यक्ति, बाद में, मेरे लिए नहीं। मैं उससे थोड़ा बेहतर हूँ। यह वह नहीं है जो हम करना चाहते हैं।

आगे बढ़ने से पहले क्या कोई सवाल है? हाँ, रेबेका। व्यक्ति का एक अलग पहलू। उनमें से एक व्यभिचार और आदर्श महिला और इस तरह की चीज़ों जैसा लग रहा था, लेकिन फिर, जैसे, अब जब मैं किताब पढ़ रहा हूँ तो मुझे इसके बारे में ज़्यादा पता है, इसलिए मुझे नहीं पता।

हाँ, अच्छा। यह कैसे संभव है कि सुलैमान, कई महिलाओं के साथ अपने संबंधों को देखते हुए, व्यभिचारिणी के खिलाफ़ इतने कड़े बयान लिख सकता है, खासकर नीतिवचन की किताब के पहले भाग में? हाँ, यह एक बढ़िया सवाल है, और आप शायद सभोपदेशक के बारे में भी यही कह सकते हैं। उस किताब में, आप उसे बहुत मज़बूत देखते हैं क्योंकि वह अनुभवों से गुज़रा है।

मुझे लगता है कि यहाँ दी गई परिभाषा उनके लिए कारगर है। अपने अनुभवों के आधार पर, उनके पास कहने के लिए कुछ बहुत ही प्रभावशाली बातें हैं। हममें से कुछ लोगों को यह सीखने के लिए कठिन रास्ता अपनाना पड़ता है कि बुद्धिमानी क्या है, और मेरा सुझाव है कि शायद सुलैमान कुछ बहुत ही दर्दनाक अनुभवों से बोल रहा है, और उसका जीवन बदल गया है, और वह दुखद रूप से समझदार हो गया है।

मैं सुझाव दूँगा कि यह निश्चित रूप से सभोपदेशक के मामले में मामला है। अगर हम यह कहने जा रहे हैं कि सुलैमान ने सभोपदेशक लिखा है, तो हम इसके बारे में बाद में बात करेंगे। लेकिन हाँ, यह एक बढ़िया सवाल है।

मैं थोड़ी देर में सोलोमन पर वापस आऊंगा, लेकिन यह एक बहुत अच्छा सवाल है। आगे बढ़ने से पहले कुछ और? बस एक छोटा सा नोट, यह हमारे सोलोमन सवाल को ठीक से उठाता है। जैसा कि हम 1 राजा 4 पढ़ते हैं, और मैं वास्तव में एक पल के लिए उस पर वापस जाने वाला हूँ, इसलिए फिर से, यदि आपके पास अभी भी वह पाठ है, तो 1 राजा 4 पर एक त्वरित रन लेने में कोई बुराई नहीं है जिसे हमने पहले ही देखा है, लेकिन मैं अब इसे दूसरे दृष्टिकोण से समीक्षा करना चाहता हूँ।

यह सुलैमान द्वारा अपने लोगों पर शासन करने के लिए बुद्धि की प्रार्थना के बाद है, और यह उस परीक्षण मामले के बाद है जो दर्शाता है कि उसके पास अपने लोगों पर न्यायपूर्ण तरीके से शासन करने के लिए बुद्धि है। फिर अध्याय 4 के अंत में, हमारे पास निम्नलिखित कथन है, पद 29 से शुरू करते हुए, परमेश्वर ने सुलैमान को बुद्धि और बहुत बड़ी अंतर्दृष्टि और समुद्र तट पर रेत के समान असीम समझ दी। अब पद 32 को देखें।

उन्होंने 3,000 कहावतें बोलीं और उनके गीतों की संख्या 1,005 थी। खैर, आप जानते हैं, इससे आपको इस बात का अंदाजा हो जाता है कि साहित्यिक दृष्टिकोण से वे कितने बहुआयामी काम कर रहे हैं। 3,000 कहावतें।

क्या आप जानते हैं कि नीतिवचन की किताब में कितने शब्द हैं? यह 3,000 नहीं है। अंदाज़ा लगाइए। मैं बैठ गया और एक बार उन्हें गिनने लगा जैसे कि मेरे पास करने के लिए और कुछ बेहतर नहीं था।

हमारी पुस्तक में 900 से ज़्यादा कहावतें हैं, जिसमें 31 अध्याय हैं, है न? तो सुलैमान ने कई और चीज़ें लिखीं। इसी तरह, भजन भी। वह भजन लिख रहा है।

इतना ही नहीं, तो वह एक बेहतरीन कवि है, है न? लेबनान के देवदार से लेकर दीवारों से उगने वाले हिस्सप तक के पौधों का वर्णन करें। आप जानते हैं, ये दो बातें हैं जो सबसे बड़ी से लेकर सबसे छोटी तक कही जा रही हैं, क्योंकि लेबनान के देवदार बहुत बड़े थे, और बेशक हिस्सप एक छोटा सा पौधा है। तो सुलैमान अपने पौधे को जानता है।

वह एक वनस्पतिशास्त्री हैं। उन्होंने अपना मुख्य पाठ्यक्रम प्राकृतिक विज्ञान में लिया है, अगर मैं इतना असभ्य हो सकता हूँ कि ऐसा सुझाव दूँ। उन्होंने जानवरों और पक्षियों, सरीसृपों और मछलियों के बारे में पढ़ाया।

यह एक ऐसा व्यक्ति है जो उदारतापूर्वक शिक्षित है, अगर आप इसे इस तरह से देखना चाहते हैं, और वह उस सामान का उपयोग करने जा रहा है, खासकर जब आप नीतिवचन के अंतिम अध्यायों को पढ़ते हैं जो उपमा के बाद उपमा के बाद उपमा स्थापित करते हैं। और हम जानते हैं कि वे क्या हैं। आप जानते हैं, यह इस तरह है, यह इस तरह है, तुलना स्थापित करना जो वास्तव में कुछ सिखाने के लिए उपयोग किया जाता है।

सुलैमान प्राकृतिक क्षेत्र के इन पहलुओं का उपयोग नैतिक अनुप्रयोग बनाने के लिए करता है। और इसलिए वह दो बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्रों को एक साथ खींच रहा है। ठीक है, तो वैसे भी, हमारे पास सुलैमान द्वारा यह सब सिखाया जा रहा है।

जब आप नीतिवचन 25, श्लोक 1 पढ़ते हैं, तो उसमें लिखा है, हिजकिय्याह के लोगों ने सुलैमान की नीतिवचन को इकट्ठा किया। अब मैं यह बताने जा रहा हूँ कि मुझे ऐसा क्यों लगता है, लेकिन बस यह पहचानिए कि इस पुस्तक को संकलित करने की एक प्रक्रिया है। ऐसा नहीं है कि सुलैमान ने पूरी बात लिख दी और फिर हमें यह मिल गया।

उन्होंने ये सभी नीतिवचन लिखे हैं। हिजकिय्याह के लोग उन्हें एक संरचित साहित्यिक संपूर्णता में लाने के लिए कुछ करने जा रहे हैं, और फिर कुछ बाद के जोड़ हैं जो पुस्तक के अंत में दिखाई देते हैं। राजा लेमुएल जाहिर तौर पर उनमें से एक है।

अध्याय 30 और 31 में जो कुछ है, वह बाद में जोड़ा गया लगता है। हमें वास्तव में नहीं पता कि कब, लेकिन हमें लगता है कि यहाँ एक छोटा सा चार्ट है जो हमारी मदद कर सकता है। यह यहीं है।

अब, आइए एक पल के लिए इस पर नज़र डालें। हमने डेविड का अध्ययन किया है। हमने सोलोमन का अध्ययन किया है।

हम अभी तक विभाजित राज्य में नहीं पहुंचे हैं, लेकिन प्रभु की इच्छा से ईस्टर के बाद हम ऐसा करेंगे। लेकिन 931 में, राज्य वास्तव में उत्तर और दक्षिण में विभाजित हो गया, और इसलिए आपके पास दो बुनियादी राज्य हैं। उत्तरी राज्य मुख्य रूप से धर्मत्यागी होने जा रहा है।

राज्य में इस विभाजन के लगभग 200 साल बाद, हमारे सामने एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटना घटित हुई, क्योंकि असीरियन आए। उन्होंने उत्तरी राज्य को पूरी तरह से छीन लिया, और उन्होंने यरूशलेम की घेराबंदी कर दी। सन्हेरीब नाम का एक आदमी।

हम इस बारे में बाद में बात करेंगे। जब ऐसा होता है, तो मैं आपको सुझाव देता हूँ कि अध्याय 25 में वर्णित हिजकिय्याह के ये लोग अच्छी तरह जानते हैं कि मानवीय दृष्टिकोण से उनकी राष्ट्रीय विरासत को खतरा है। और जब आपको लगता है कि आप अपनी पूरी विरासत, साहित्यिक विरासत को खोने जा रहे हैं, तो आप क्या करते हैं, जबकि आप इसे संग्रहित करना सुनिश्चित करते हैं, है न? और इसलिए शायद हिजकिय्याह के लोग बहुत सावधानी से इन चीजों को लिख रहे थे जिन्हें वे सुरक्षित रखना चाहते थे, क्योंकि अश्वर उन्हें ले जा सकते थे और उनके राज्य को मिटा सकते थे।

यहाँ एक छोटा सा फुटनोट है, जिसका ओल्ड टेस्टामेंट या उससे ज़्यादा कुछ लेना-देना नहीं है। आप सभी होलोकॉस्ट और होलोकॉस्ट की भयावहता और इस तथ्य से अवगत हैं कि वारसों में यहूदी समुदाय, प्रसिद्ध वारसों यहूदी बस्ती, का अस्तित्व लगभग समाप्त हो गया था। अब इन सबके पीछे एक लंबी, लंबी, लंबी कहानी है।

लाखों लोग चले गए। लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि वारसों में आपका एक उल्लेखनीय सांस्कृतिक केंद्र था।

वे उस बस्ती में सिम्फनी कॉन्सर्ट दे रहे थे क्योंकि वहाँ बहुत सारे कलात्मक रूप से प्रतिभाशाली लोग थे। और दूसरी बात जो हुई है वह अभी-अभी सामने आई है। यह एक तरह से गुप्त रखा गया था क्योंकि यह सामग्री यिडिश और पोलिश में लिखी गई थी।

वारसों यहूदी बस्ती के लोगों को पता था कि उनके साथ क्या होने वाला है। उन्होंने इसे संग्रहित कर लिया। उन्होंने अपनी पीड़ा और मृत्यु का इतिहास खुद लिखा और उसे छिपा दिया।

उन्होंने इसे वहां मौजूद इमारतों के नीचे छिपा दिया। और बेशक उन इमारतों को ध्वस्त कर दिया गया। यह वारसों है।

और युद्ध खत्म होने के बाद ही वे उन चीजों को खोदकर निकाल पाए। जैसा कि मैंने कहा, वे पोलिश भाषा में हैं। वे पोलिश और यिडिश भाषा में हैं।

इसलिए उन्हें पोलैंड में संग्रहीत किया गया है। लेकिन अब वे बाहर आ रहे हैं। और यह शानदार इतिहासलेखन है।

जो लोग इस बात को लिख रहे हैं, वे जानते हैं कि उनका अंत निकट है, इसलिए उन्होंने इसे दस्तावेज़ित करने में सावधानी बरती। इसे दस्तावेज़ित करने में वाकई सावधानी बरती। मेरा सुझाव है कि यह शायद हिजकियाह के दिनों में जो कुछ हो रहा था, उसका एक और समकालीन अंश है क्योंकि वे नहीं जानते थे कि परमेश्वर उन्हें बचाने जा रहा है।

भगवान करता है। उस समय सन्हेरीब यरूशलेम पर कब्ज़ा नहीं करता। यरूशलेम बाद में गिर जाएगा।

लेकिन शायद यही हिजकियाह कर रहा है। हिजकियाह के लोग यही कर रहे हैं। खैर, किसी भी हालत में, उस समय से लेकर 586 में नबूकदनेस्सर और बेबीलोनियों के हाथों दक्षिणी राज्य के पतन के बीच, हमारे पास नीतिवचन की पुस्तक में कुछ अतिरिक्त बातें हैं।

और मैंने कुछ क्षण पहले कहा था कि हम ठीक से नहीं जानते कि वे कब घटित होते हैं। लेकिन इससे हमें यह अंदाज़ा होता है कि पवित्र आत्मा ने इस पुस्तक को हमारे लिए लाने के लिए एक लंबी प्रक्रिया का उपयोग किया है। न कि केवल एक समय में सुलैमान की रचना।

निक, आगे बढ़ो। क्या तुम्हें यह चार्ट याद रखना चाहिए? जब हम यहाँ भविष्यवाणी साहित्य देखना शुरू करेंगे तो यह चार्ट फिर से दिखाई देगा। बस इसके पीछे के सिद्धांत को जान लो।

इसलिए अगर आप चाहें तो समय की अवधि के हिसाब से सोचें। मैं वास्तव में यही चाहता हूँ कि आप देखें। मैं चाहता हूँ कि आप सुलैमान के समय और हिजकियाह के लोगों द्वारा इन चीज़ों की नकल किए जाने के बीच की अवधि को देखें, अगर इससे थोड़ी मदद मिलती है।

ठीक है। आगे क्या करना है? नीतिवचन की पुस्तक की एक बुनियादी संरचना। नीतिवचन पढ़ते समय आप सोच रहे होंगे कि यहाँ कोई संरचना ही नहीं है।

खैर, यह है। यह है। और हम इसे देखना चाहते हैं।

और वैसे, मुझे यह भी कहना चाहिए। कमरे के पीछे बैठे हुए, हमारे पास नीतिवचन की पुस्तक पर एक विशेषज्ञ है। इसलिए मैं यह व्याख्यान देने में घबरा रहा हूँ।

डॉ. हिल्डेब्रांट को कहावतों का पूरा ज्ञान है। और वे यहाँ इसलिए नहीं बोल रहे हैं क्योंकि वे छह या सात व्याख्यानों में ऐसा करेंगे। अच्छा विदा।

ठीक है। किसी भी हालत में, हमारा परिचय हो गया। परिचय।

और हम इस पर विचार करने जा रहे हैं। तो फिर से पाठ पर वापस आते हैं। आप जानते हैं, नीतिवचन, जैसा कि मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूँ, एक निर्देशात्मक पुस्तक है।

यह एक शैक्षणिक पुस्तक है। और इसलिए हर कक्षा की तरह, जिसमें यह भी शामिल है, इसका पाठ्यक्रम ऐसा है जिसमें पाठ्यक्रम के उद्देश्य हैं। कम से कम, हर कक्षा का पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए जिसमें पाठ्यक्रम के उद्देश्य हों।

मूल रूप से, श्लोक दो से छह में, हम पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को पढ़ते हैं। आइए उन पर नज़र डालें। नीतिवचन की पुस्तक और उस आजीवन अनुदेशात्मक पाठ्यक्रम के लिए आपके पाठ्यक्रम के उद्देश्य यहां दिए गए हैं।

ज्ञान और अनुशासन प्राप्त करने के लिए। अंतर्दृष्टि के शब्दों को समझने के लिए। अनुशासित और विवेकपूर्ण जीवन जीने के लिए।

यह एक आजीवन पाठ्यक्रम है, है न? जैसा कि आप इन उद्देश्यों को देखते हैं। वही करना जो सही और न्यायपूर्ण और निष्पक्ष है। विवेक का प्रयोग करना।

एक दिलचस्प शब्द। क्या आपको उत्पत्ति 3, श्लोक 1 याद है? और वह साँप जो चतुराई से काम लेता है, चालाक है। अरुमीम।

सर्प का अर्थ है अरुम। यह शब्द यहीं पर है। इस मामले में, यह इस बात का अच्छा संकेत है कि आप जीवन का मूल्यांकन कैसे करते हैं।

चतुराई. विवेक. सरल.

युवाओं को ज्ञान और विवेक प्रदान करें। बुद्धिमानों को सुनना चाहिए और अपनी शिक्षा में वृद्धि करनी चाहिए। समझदारों को नीतिवचन और दृष्टांतों को समझने के लिए मार्गदर्शन मिलना चाहिए।

जीवन की केवल वे बुनियादी चीजें ही नहीं, जो बिल्कुल जरूरी हैं, बल्कि बौद्धिक खेल के और भी मजेदार हिस्सों में आगे बढ़ना भी, अगर आप चाहें तो। कहावतों और दृष्टान्तों, बुद्धिमानों की कहावतों और पहेलियों को समझना। आप कह सकते हैं कि क्वांटम भौतिकी को समझने के लिए।

वे चीजें जो हमारे ज्यादातर दिमागों से परे हैं। और फिर भी, क्वांटम भौतिकी के जानकारों को ब्रह्मांड की प्रकृति के संदर्भ में ये अद्भुत, अद्भुत अन्वेषण लगते हैं। तो यह पुस्तक के लिए हमारा परिचय है।

और अगर आप इसे इस तरह से सोचना चाहें तो यह अध्ययन का पाठ्यक्रम बताता है। उफ़। एक समय में एक चीज़।

फिर हमारे पास अध्याय 1 से 9 तक एक इकाई है जो अपने आप में ही है। ठीक है? क्योंकि पिता यहाँ बार-बार बुद्धि के महत्व की प्रशंसा करते हैं। अब, इस पूरे खंड में हम जो एक चीज़ देखते हैं, वह है, जैसा कि रेबेका ने पहले बताया, व्यभिचारियों के खिलाफ़ चेतावनी।

एक विशेषता के रूप में बुद्धिमत्ता को एक महिला द्वारा मूर्त रूप दिया जाता है। और अगर आपने पाठ पढ़ा है, तो आप यह जानते होंगे। यह इस अध्याय में कई अलग-अलग जगहों पर दिखाई देता है।

लेकिन इसका विपरीत, लेडी विजडम का विपरीत, महिला मूर्खता है। और साथ ही, इस अध्याय में कई अलग-अलग जगहों पर, हम उसे अपनी सबसे घिनौनी विशेषताओं में से एक के साथ सामने आते हुए देखते हैं, और वह है व्यभिचार जिसमें वह लोगों को ले जाती है, क्योंकि लोग उस चीज़ के जाल में बहुत आसानी से फंस जाते हैं। और युवा पुरुषों को पिता द्वारा बार-बार चेतावनी दी जा रही है, इससे दूर रहो।

यह आकर्षक लगता है। ऐसा लगता है कि यह कुछ ऐसा है जो आप चाहते हैं। यह आपको अधोलोक की गहराई तक ले जाएगा।

ठीक है? अब, मैं इस खंड में कुछ स्थानों पर नज़र डालना चाहता हूँ, हालाँकि मैं आपको उन स्थानों पर वापस जाने के लिए प्रोत्साहित करूँगा, ताकि आप देख सकें कि लेडी विजडम कैसे काम करती है। ठीक है? अध्याय 1, श्लोक 20। बुद्धि, वह लेडी विजडम है, सड़क पर जोर से पुकारती है।

वह सार्वजनिक चौराहों पर अपनी आवाज़ बुलंद करती है। ठीक है, बस अपने आप को बोस्टन कॉमन में स्थानांतरित करें। ठीक है? और कोशिश करें और तय करें कि क्या आपको बोस्टन कॉमन पर लेडी विजडम की यह तस्वीर पसंद है।

शोरगुल भरी सड़क के मुहाने पर, शहर के प्रवेशद्वार पर वह चिल्लाती है। वह अपना भाषण देती है। भाषण आ गया।

लेडी विजडम अपने साबुन के डिब्बे पर, पार्क स्ट्रीट चर्च के ठीक सामने। आप सरल लोग कब तक अपने सरल तरीकों से प्यार करेंगे? कब तक मज़ाक करने वाले मज़ाक उड़ाते रहेंगे और मूर्ख ज्ञान से नफरत करते रहेंगे? अगर आपने मेरी फटकार का जवाब दिया होता, तो मैं अपना दिल खोलकर आपके सामने रख देता। मैं अपने विचार आपको बता देता।

लेकिन जब से तुमने मुझे पुकारा तो तुमने मुझे अस्वीकार कर दिया, जब से मैंने अपनी आवाज़ उठाई तो किसी ने ध्यान नहीं दिया, जब से तुमने अनदेखा किया, मेरा मतलब है, यहाँ एक तरह की निरंतर अस्वीकृति रही है, है न? चूँकि तुमने मेरी सारी सलाह को अनदेखा कर दिया, मैं तुम्हारी विपत्ति पर हँसूँगा। जब विपत्ति तुम पर हावी होगी तो मैं मज़ाक उड़ाऊँगा। श्लोक 29।

क्योंकि उन्होंने ज्ञान से घृणा की और यहोवा का भय मानना नहीं चुना, क्योंकि उन्होंने मेरी सलाह नहीं मानी और मेरी फटकार को ठुकरा दिया, इसलिए वे अपने कामों का फल खाएँगे और अपनी योजनाओं के फल से भर जाएँगे। भोले लोगों की स्वच्छंदता उन्हें मार डालेगी। मूर्खों की आत्मसंतुष्टि उन्हें नष्ट कर देगी।

क्या आप कहेंगे कि यह राजनीतिक रूप से सही नहीं है? डेली स्टडी बाइबल सीरीज़ में केनेथ अकिन द्वारा लिखी गई नीतिवचन पर एक बहुत ही दिलचस्प टिप्पणी है। और वह इस अंश को लेते हैं और कहते हैं, यह पूरी तरह से उस चीज़ के विपरीत है जो हम भगवान को अच्छा बनाने की कोशिश करते हैं, आप जानते हैं, जिस तरह से हम इसके बारे में सोचना चाहते हैं। लेकिन वह कहते हैं, अगर चर्च इस अध्याय की तात्कालिकता को फिर से नहीं समझता है, तो चर्च पूरी तरह से अप्रभावी होने जा रहा है।

हमें उन लोगों के लिए तत्परता की भावना रखने की आवश्यकता है जो अधोलोक की गहराई में अपने रास्ते पर जा रहे हैं। इसलिए मैं इसे आपके लिए छोड़ता हूँ। थोड़े अलग लहजे में, यह अध्याय एक पर आधारित है।

आइए अध्याय आठ पर नज़र डालें, क्योंकि यहाँ फिर से बुद्धिमता की बात सामने आई है। और यहाँ कुछ बहुत ही उल्लेखनीय बात घटित हो रही है। श्लोक 22 से शुरू करते हुए, यह सृष्टि में बुद्धिमता का अंश है।

यह एक चुनौतीपूर्ण अंश है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप इसे पढ़ते समय कुछ देखें। प्रभु ने अपने कार्य की शुरुआत में ही मुझे अपने अधीन कर लिया था। उनके पुराने कार्यों से पहले, मुझे अनंत काल से, संसार के आरंभ से पहले से ही नियुक्त किया गया था।

और फिर यह संपूर्ण रचनात्मक प्रक्रिया के प्रकट होने के दौरान बुद्धि के कार्यों का वर्णन करता है। और यह एक सुंदर वर्णन है। ठीक है, मैं वहाँ था जब उसने आकाश को स्थापित किया, श्लोक 27, जब उसने बादलों को ऊपर स्थापित किया, श्लोक 28।

अब श्लोक 30 और 31, मैं उनके साथ शिल्पकार था। वैसे, यह आप में से उन लोगों के लिए एक पुल्लिंग एकवचन संज्ञा है जो इस तरह की चीजों को पसंद करते हैं। मैं दिन-ब-दिन खुशी से भर गया।

यह पुल्लिंग बहुवचन क्रिया रूप है। हमेशा उसकी उपस्थिति में आनन्दित रहना, एक स्त्रीलिंग एकवचन कृदंत। क्या यह रोमांचक नहीं है? हम यहाँ ईश्वरत्व में एक बहुलता देख रहे हैं जो क्रिया रूपों और शिल्पकार के साथ संज्ञा रूप में परिलक्षित होती है।

सृष्टिकर्ता परमेश्वर की समृद्धि के बारे में कुछ बातें हैं, जो पुल्लिंग बहुवचन, स्त्रीलिंग एकवचन, हमेशा उसकी उपस्थिति में आनन्दित होना, उसकी पूरी दुनिया में आनन्दित होना, और मानवजाति में आनन्दित होना। सृष्टि में परमेश्वर के साथ बुद्धि की गतिविधि के बारे में बात करना। दूसरे शब्दों में, हमारे त्रित्ववादी परमेश्वर के हिस्से के रूप में।

कुलुस्सियों के अध्याय 1 में पौलुस ने इस बात को उठाया जब उसने यीशु मसीह के बारे में बात की जो सृष्टि की शुरुआत में ही मौजूद था। उससे पहले, उसके द्वारा, उसके माध्यम से, सभी चीजें बनाई गईं। मैं सुझाव दूंगा कि पौलुस इस खास बात पर वापस जा रहा है।

एक और बात जो मैं अध्याय 1 से 9 के बारे में कहना चाहता हूँ, और फिर हमें आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमने इन अध्यायों में बुद्धि और व्यभिचारिणी दोनों को देखा है, और अब उन्हें अध्याय 9 में एक दूसरे के आमने-सामने लाया गया है। है न? एक दूसरे के आमने-सामने। बुद्धि ने अपना घर बनाया है, सात खंभे गढ़े हैं, अपना भोजन तैयार किया है, अपनी शराब मिलाई है, और वह एक निमंत्रण भेजती है।

वह कहती है, सरल लोगों को यहाँ आने दो, आओ, खाओ, पियो, अपने सरल तरीके छोड़ो, पता लगाओ कि जीवन वास्तव में क्या है। डेम फॉली, और फिर वह कहती है, प्रभु का भय ज्ञान की शुरुआत है। यह उसके मुँह से निकल रहा है।

फिर से, मानवीकरण। डेम फॉली, पद 13। फॉली नाम की महिला बहुत शोर मचाती है, वह अनुशासनहीन और ज्ञानहीन है।

वह अपने घर के दरवाजे पर बैठती है, वह खड़ी नहीं होती, वह बैठती है। वह आने-जाने वालों को बुलाती है, लेकिन ध्यान दें कि उसका निमंत्रण बिल्कुल उसी तरह से शुरू होता है। क्या आपने इसे पढ़ते समय इस पर ध्यान दिया? डेम फॉली लेडी विजडम की तरह ही शुरू होती है।

यहाँ सरलता से उन लोगों को आने दें जो निर्णय लेने में असमर्थ हैं। अगर हमारी सोच सही नहीं है, तो हम बहुत आसानी से मूर्खता के बहकावे में आ सकते हैं, जो एक बहुत ही अच्छा, आकर्षक निमंत्रण देने जा रहा है। यह सतह पर अच्छा दिखने वाला है।

और हम उन लोगों के उदाहरणों पर जा सकते हैं जो इस रास्ते पर चल चुके हैं। सोचना, यह शुरू में तो अच्छा लगता है, लेकिन ध्यान दें कि वह आगे क्या कहती है। चुराया हुआ पानी मीठा होता है और छुपकर खाया हुआ खाना स्वादिष्ट होता है।

दूसरे शब्दों में, वे चीजें जो जीवन में गलत विकल्पों का हिस्सा हैं। चोरी, व्यभिचार, शायद वे गुप्त रूप से खाए गए भोजन के स्वादिष्ट होने से दर्शाए जा रहे हैं। उन्हें यह नहीं पता कि मृतक वहाँ हैं और उसके मेहमान अधोलोक की गहराई में हैं।

नीचे की ओर जाने वाला वह मार्ग, मुझे पता है कि हम प्रसिद्ध फिसलन ढलान का उदाहरण देते हैं, लेकिन यह वहाँ है। नीचे की ओर जाने वाला वह मार्ग धीमा है और यह उन विकल्पों पर आधारित है जो हम उन चीजों के लिए चुनते हैं जो आकर्षक लगती हैं, आसान लगती हैं, ऐसा लगता है कि वे हमें बहुत असंतोषजनक तरीके से संतुष्ट करने वाली हैं। और निश्चित रूप से, अंत बहुत ही गंभीर होता है।

खैर, हमें आगे बढ़ना चाहिए। यह पहला भाग है। हाँ, मुझे खेद है, क्रिस्टन।

नहीं, कृपया। क्या आपको लगता है कि यह व्यभिचार रूपक चर्च में मसीह के समानांतर है और यह एक प्रकार का रूपक था जैसे कि जब हम मसीह को वह सम्मान नहीं देते जिसके वे हकदार हैं, तो हम व्यभिचारी बन जाते हैं, जैसे कि एक छोटा सा विवाह संबंध? हाँ, क्या यहाँ व्यभिचार की चेतावनी के कई स्तर हैं? क्या आप ऐसा ही कह रहे हैं? तो यह केवल शारीरिक व्यभिचार के विरुद्ध नहीं है, बल्कि मूर्तिपूजा के विरुद्ध भी है, जो कि व्यभिचार है? बिल्कुल। जब आप सिनाई में किए गए विवाह अनुबंध को देखते हैं, जिसके बारे में हमने बात की है, तो आप जानते हैं, यह ईश्वर और उसके लोग हैं और यह एक अनुबंध है।

यह एक विवाह अनुबंध है। इसलिए मूर्तिपूजा इसे तोड़ रही है। और इसी तरह, मसीह और उसकी दुल्हन, चर्च, नए नियम के विश्वासियों के लिए भी यही बात है।

बिल्कुल। और कुलुस्सियों के अध्याय 3 में हमें बताया गया है कि लालच मूर्तिपूजा है। इसलिए ऐसी कई चीजें हैं जो मसीह के साथ हमारे रिश्ते के धागों को तोड़ने का काम करेंगी।

हाँ, अच्छा सवाल है। संरचना पर कुछ और बातें। अध्याय 10 से 22 तक, हमारे पास मुख्य रूप से एकल छंद हैं जो बिंदु बना रहे हैं।

अब, यह कहने के बाद, यहाँ मेरे उप-बिंदुओं पर ध्यान दें। सबसे पहले, जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा था, ठीक है, 15 मिनट पहले, पहले छह अध्याय, 10 से 15, बहुत सारे विरोधाभासी समानताएँ हैं जो विवेक सिखाने में बहुत, बहुत प्रभावी हैं। मैं थोड़ी देर में उनके बारे में और अधिक बताने जा रहा हूँ।

क्या यह दिलचस्प नहीं है कि जब आप अध्याय 10 से 12 तक पढ़ते हैं, तो धार्मिकता, धार्मिकता, धार्मिकता, यही विषय है। मेरा मतलब है, यह उन अध्यायों में लगातार गूँजता रहता है क्योंकि यह निश्चित रूप से बाकी सभी चीजों का आधार है। और एक के बाद एक श्लोक इसी पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

और फिर अन्य विषयगत जोर भी हैं। मैं आपको यहाँ केवल एक उदाहरण देता हूँ, और वह यह है कि अध्याय 16 में, हम राजाओं और शासकों और उन्हें कैसे काम करना चाहिए, इस पर काफी स्थिर ढोल पीटते हैं। अध्याय 10 से 22 में बहुत बढ़िया सामग्री है।

मैं आपको सलाह दूंगा कि आप अपने जीवन के बाकी दिनों में एक कहावत को प्रतिदिन पढ़ें और उसे आत्मसात करें। इसके बारे में सोचें। आप एक पर शोध-पत्र लिख रहे हैं, लेकिन निश्चित रूप से, 899 पर शोध-पत्र लिखना बाकी है।

अध्याय 22 से, क्षमा करें, 22, 17 से 24, 34 तक एक अलग तरह की श्रेणी है, और वे कहावतें हैं जो इस मिस्र के पाठ में काफी हद तक समान हैं जिसे आप पुराने नियम के समानांतरों में पढ़ रहे हैं जिन्हें अमेनेमापेट की कहावतें कहा जाता है। और औपचारिक रूप से, ये अलग भी हैं। वे लंबे हैं।

वे सिर्फ एक पंक्ति या एक पंक्ति नहीं हैं, और फिर सब कुछ खत्म हो जाता है। वे लंबे विकास हैं। संभवतः क्लासिक एक वह उल्लेखनीय वर्णन है जो किसी ऐसे व्यक्ति का है जिसने बहुत ज़्यादा शराब पी ली है।

अगर आपने अभी तक ऐसा नहीं पढ़ा है, तो जाकर इसे पढ़ें। यह एक लंबा वर्णन है, एक दुखद वर्णन। खैर, अध्याय 24 के बाद, हमारे पास सुलैमान और हिजकिय्याह के समय के और भी संग्रह हैं, इन दो पात्रों, आगूर और लेमूएल की बातें, जो वैसे भी दिलचस्प हैं।

हमारे पास उनके साथ समय बिताने का समय नहीं है, लेकिन वे आकर्षक हैं। और फिर अध्याय 31 के अंत में, अंतिम 22 छंद हमारे एक्रोस्टिक हैं। यदि आप किसी भी तरह के महिला सेमिनार या महिलाओं की बाइबिल कक्षा में गए हैं, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि आपके सामने शास्त्र का यह हिस्सा आदर्श के रूप में रखा गया है।

क्योंकि बेशक, यह एक नेक औरत है, जिसे हिब्रू में एशेत चाइल कहा जाता है, जो हर काम सही तरीके से करती है। उसके बच्चे उसे धन्य कहने के लिए उठ खड़े होते हैं। वह सुबह जल्दी उठ जाती है।

वह बुनाई, कताई, सब कुछ कर रही है। और इतना ही नहीं, वह टोरा सिखाती है। वफादार निर्देश, शब्द टोरा, उसके होठों पर है।

और आप सोच रहे हैं, मैं कभी ऐसा नहीं हो सकता। खैर, हम इसकी आकांक्षा तो कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ कुछ और भी बड़ा चल रहा है। और मैंने इसे यहाँ नोट करने की कोशिश की है।

इस पाठ की शुरुआत में, हमने व्यभिचारिणी और व्यभिचारिणी के रूप में मूर्खता पर इस गंभीर जोर को देखा। और मैं सुझाव दूंगा कि समापन विशेष रूप से इसके प्रतिकार के लिए डिज़ाइन किया गया है। व्यभिचारिणी ही खतरा है।

मूर्खता एक खतरा है। वह उन लोगों के जीवन को खतरे में डाल देगी जो परमेश्वर के लोग हैं। लेकिन यहाँ इसका उपाय है।

और मैं सुझाव दूंगा कि अब पुस्तक के अंत में ज्ञान को मूर्त रूप दिया जा रहा है। निश्चित रूप से, यह कुछ ऐसा है जिसे हम महिलाएँ और पुरुष भी अपना सकते हैं। और मुझे लगता है कि यह पुस्तक के अंत में ज्ञान के रूप में देखने की हमारी छत्रछाया में आता है।

अब, यह बहुत तेज़ है, लेकिन इससे हमें संरचना का थोड़ा सा अंदाज़ा हो सकता है। हमें आगे बढ़ना होगा। अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है।

आज के व्याख्यान का यह मज़ेदार हिस्सा है। यह वाकई मज़ेदार है। और मुझे आपको इसे समझाने के लिए एक छोटी सी कहानी सुनानी है।

कई साल पहले, शायद 20 साल पहले, मुझे नीतिवचन की किताब पर छह घंटे का सेमिनार करने के लिए कहा गया था। और मैंने सोचा, मैं यह कैसे कर सकता हूँ? और मेरे मन में आया कि शायद यह मददगार हो सकता है अगर मैं कुछ नीतिवचन बना सकूँ। क्योंकि वे वाकई बहुत मज़ेदार हैं, जब आप इन नीतिवचनों को पढ़ते हैं, तो उनमें से बहुत से मज़ेदार होते हैं।

आपको अपनी कल्पना का इस्तेमाल करना होगा। वे जबरदस्त मौखिक व्यंग्य हैं। और वे आप और मेरे जैसे लोगों का मज़ाक उड़ाते हैं।

और इसलिए मैंने सोचा, ठीक है, आप जानते हैं, मैं इनमें से कुछ कहावतें बना सकता हूँ, और अगर मेरे पास ऐसा करने वाला कोई अच्छा कलाकार हो, तो यह एक शानदार प्रस्तुति बन जाएगी। इसलिए मैं अपने एक प्रिय मित्र के पास गया, जो वास्तव में एक अच्छा कलाकार है, और मैंने कहा, सेलिया, मुझे कुछ मदद चाहिए। और मैंने उसे समझाया कि मुझे क्या चाहिए।

और उसने एक मिनट सोचा, और उसने मेरी तरफ देखा, और उसने कहा, तुम्हें ऐसा करने के लिए मेरी ज़रूरत नहीं है। तुम्हें वाकई बहुत खराब कला की ज़रूरत है। इससे लोगों का ध्यान आकर्षित होगा।

आप इसे चित्रित करें। वह सही है। और मैंने वैसा ही किया।

और इसलिए मैंने पिछले 20 सालों से उन छोटी-छोटी ओवरहेड ट्रांसपेरेंसी को सहेज कर रखा है। और मैंने पिछले साल ही उन्हें अपने पावरपॉइंट में इम्पोर्ट किया है। उनमें से कुछ, सभी नहीं।

तो आप इन्हें देख सकते हैं और समझ सकते हैं कि ये क्या कह रहे हैं, ठीक है? यह सुबह के लिए हमारा छोटा सा मनोरंजन है। सबसे ऊपर वाला क्या है? यह एक फव्वारा है, ठीक है? आपको क्या लगता है कि कहावत का संदेश क्या है? बात फैल गई। हाँ, यह सच है।

और फव्वारा फैला हुआ है। कोई इसे जल्दी से देख ले। हमें इसका केवल पहला भाग चाहिए।

अध्याय 10, श्लोक 11. हाँ, मरियम? हाँ, धर्मी का मुँह जीवन का झरना है। दूसरे शब्दों में, जो व्यक्ति सही तरीके से बोल रहा है, वह उन सभी अद्भुत चीजों को लोगों तक पहुँचाने जा रहा है जो पानी लोगों तक पहुँचाता है।

नया जीवन, वगैरह। यह बहुत बढ़िया है। यहाँ नीचे वाला कैसा रहेगा? अभी मत देखो।

आपको क्या लगता है कि यह क्या कह रहा है? ठीक है, मुझे पता है कि कला खराब है, लेकिन आप, मेरा मतलब है, कृपया, यह क्या है? यह आग शानदार है, ठीक है? और आग से पहले हरी चीजें हैं, और इसके पीछे है? झुलसी हुई धरती। ठीक है। कहावत क्या कहती है? यह किसके पास है? आगे बढ़ो, सुजैन।

एक दुष्ट व्यक्ति बुराई की योजना बनाता है और उसका भाषण एक झुलसाने वाली आग की तरह होता है। हाँ, एक दुष्ट व्यक्ति बुराई की योजना बनाता है और उसका भाषण एक झुलसाने वाली आग की तरह होता है। अच्छा, आप जानते हैं, इसे देखें।

यह, आप जानते हैं, अपनी कल्पना का उपयोग करने का प्रयास करें। यदि आपको वह कला पसंद नहीं है, तो अपना खुद का बनाएँ। लेकिन, आप जानते हैं, जानबूझकर क्रूर होने वाले किसी व्यक्ति के शब्दों के पीछे पूरी तरह से तबाही होती है।

और आप इसे यहाँ देख सकते हैं। झुलसा हुआ। जल गया।

हम इस बारे में बहुत कुछ कह सकते हैं। क्या आपको कुछ और चाहिए? आपको वे मिल ही जाएँगे, चाहे आपको वे पसंद हों या नहीं। शब्द न केवल फैलते हैं, बल्कि वे गहराई तक पहुँचते हैं।

तुम्हें पता है, कहावतों में शब्दों की शक्ति के बारे में बहुत कुछ कहा गया है, है न? कहने को बहुत कुछ है। यहाँ क्या हो रहा है? हाँ, मुझे पता है कि तुम्हें पिछला वाला मिल गया है, लेकिन यह वाला क्या है? यह थोड़ा सा है, यह खराब कला है, मैंने तुमसे कहा था। क्या हो रहा है? इसे फिर से कहो।

व्यक्ति कुछ खा रहा है, ठीक है, और उसके चेहरे पर हल्की मुस्कान होनी चाहिए, और वह चीज कहां उतर रही है? उसके अंतरतम अंगों में। अब, कहावत दूँदो। इसमें क्या लिखा है? यह 18.8 है, अगर आप इसे पढ़ नहीं सकते, ट्रेवर।

मुझे यह नहीं मिला, लेकिन क्या यह वही है जिसमें आप गुप्त रूप से कुछ खा रहे हैं? ठीक है, हाँ, लेकिन हो सकता है कि आप बिल्कुल उसी के बारे में नहीं सोच रहे हों जो यह है। आगे बढ़ो, क्रिस्टन। गपशप के शब्द पसंदीदा निवाले की तरह होते हैं।

वे आदमी के अंतरतम अंगों तक पहुँच जाते हैं। हाँ, क्या आप सबने सुना? गपशप करने वाले के शब्द पसंदीदा निवाले की तरह होते हैं। ओह, हमें उन्हें सुनना बहुत पसंद है।

वे किसी व्यक्ति के अंतरतम भागों तक पहुँच जाते हैं, और एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि वे उस व्यक्ति के बारे में आपकी धारणा को हमेशा के लिए नहीं बदल सकते। ठीक है, शब्द गहराई तक पहुँचते हैं, और उनमें लोगों के बारे में हमारी सोच को बदलने की उल्लेखनीय क्षमता होती है। ध्यान दें कि इसे दो बार कहा गया है, 26-22, एक ही बात।

समझे? इस बारे में कुछ बातें जानना बहुत ज़रूरी है। और आखिरी सवाल, बेशक, उस बेचारे के साथ क्या हो रहा है? उसकी अंदरूनी नसें तलवार से चीर दी जा रही हैं, है न? बेपरवाह शब्द तलवार की तरह चुभते हैं। बेपरवाह शब्द तलवार की तरह चुभते हैं।

लेकिन बुद्धिमान की वाणी ही उपचार लाती है, यही इसका दूसरा भाग है। कुछ और चाहिए? आपको मिल ही जाएगा। वह वाकई बहुत बुरा है।

ओह, तुम इसे जानते हो? जैसे, मुझे नहीं पता। यह एक सुअर है। यह बहुत अच्छा है।

तुम्हें कैसे पता कि यह सुअर है? इसकी पूँछ घुंघराले बाल वाली है। हाँ। फिर से बोलो।

क्रिस, क्या तुम्हें यह मिला? चेल्सी। हाँ, विवेकहीन महिला उस सुअर की तरह है जिसके थूथन में सोने की अंगूठी है। हाँ।

वह कैसा है? कोई 13-9 को देखे। जाहिर है, यहाँ एक विरोधाभास है, है न? क्योंकि एक तरफ रोशनी है, और दूसरी तरफ बुझी हुई रोशनी है। नैतिक सबक क्या है? हम क्या देख रहे हैं? यह किसको मिला है? मेरी।

हाँ। मेरे अनुवाद के अनुसार, धर्मी लोगों का प्रकाश चमकता है, लेकिन यह ठीक है। आप क्या पढ़ रहे हैं? ठीक है, अच्छा।

यह शायद किसी भी दर पर करीब है। लेकिन दुष्टों का दीपक बुझ गया है। तो चलिए शुरू करते हैं।

चमकता है या आनन्दित होता है। दुष्टों का दीपक बुझ जाता है। ठीक है।

हाँ। जब आप नीतिवचन पढ़ते हैं, और मैं आपको ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करूँगा, तो उनमें से कुछ चित्र बनाएँ। हो सकता है कि आप उन्हें बेहतर ढंग से याद रखें।

ठीक है। हमें कुछ और काम करने की ज़रूरत है। अपनी परिभाषा पर वापस आते हुए, जब हम कहावतों के ज्ञान के बारे में बात करते हैं, तो इसमें वास्तव में चुनी हुई जीवनशैली शामिल होती है।

और फिर, यह हमारी परिभाषा से बिल्कुल मेल खाता है। इसमें अवलोकन की शक्ति, मूल्यांकन करने की बुद्धि की क्षमता और सत्य को लागू करने की इच्छाशक्ति का प्रयास शामिल है। अनुभव के प्रकाश में जीवन में सत्य को लागू करने का अनुशासन।

हम बिल्कुल यही देख रहे हैं। हमें इसे करने के लिए अपने दिमाग का इस्तेमाल करना होगा। हमें इसे लागू करने के लिए अपनी इच्छाशक्ति का इस्तेमाल करना होगा।

ठीक है। और याददाश्त। धर्मग्रंथों को याद करना सबसे महत्वपूर्ण कामों में से एक है जो आप कर सकते हैं, चाहे आप मानें या न मानें।

अब, यहाँ कुछ और बातें हैं जिन पर हमें विचार करना चाहिए। कुछ संबंधित अवधारणाएँ। नीतिवचन में, आप न केवल बुद्धि शब्द देखेंगे, बल्कि आप निम्नलिखित शब्द भी देखेंगे, और कई बार वे इन समानार्थी समानताओं के भाग के रूप में काम करने के तरीके में ओवरलैप होते हैं।

ज्ञान। हम अपना बाकी जीवन यह सीखने में बिता सकते हैं कि परमेश्वर ने क्या बनाया है, क्योंकि उदाहरण के लिए, सुलैमान उस दुनिया से बहुत-बहुत सारी कल्पनाओं का उपयोग करने जा रहा है जिसमें वह रहता है। इसलिए यह केवल परमेश्वर के वचन का ज्ञान नहीं है, यह परमेश्वर के सभी सत्य का ज्ञान है।

अनुशासन। एक महान हिब्रू शब्द जिसका अनुवाद निर्देश, प्रशिक्षण, फटकार, सुधार या दंड के रूप में किया जा सकता है। यह एक शब्द है।

यह मुसर है। लेकिन इसके संदर्भ के आधार पर, इसकी बहुत व्यापक सीमा है। लेकिन ध्यान रखने वाली बात यह है कि मैंने अभी आपको यहाँ जो बताया है।

इनमें से ज़्यादातर में एक तरह का या दूसरे तरह का थोड़ा दर्द शामिल होता है। यह सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, कुछ दर्द से गुज़रना, चाहे वह फटकार का दर्द हो या उससे शर्मिंदगी, या बस बैठकर कुछ सीखने और उसे सीखने में कुछ समय लगाने का दर्द, या नीतिवचन की किताब में उस छोटी सी आकृति की सीधी सज़ा जिसे छड़ी कहा जाता है, क्योंकि नीतिवचन में अनुशासन की छड़ी के बारे में बहुत कुछ कहा गया है, और मुझे नहीं लगता कि यह आलंकारिक है। समझ।

हिब्रू शब्द का अर्थ है बीच में पहचान करना। बिनाह शब्द है। यह एक रूप से आया है, जिसे बैन कहते हैं, जिसका अर्थ है बीच में।

तो बिनाह के पास इस विकल्प और उस विकल्प के बीच का पता लगाने की समझ होगी। विवेक। खैर, हमारी कहावत हमने अभी देखी, विवेक के बिना एक महिला, दूसरे शब्दों में, वास्तव में सावधानी से सोचने और जो हो रहा है उसका मूल्यांकन करने की क्षमता, और फिर निश्चित रूप से गलत विकल्पों के विपरीत सही विकल्प चुनना।

और फिर यहाँ फिर से हमारा शब्द है। चतुराई और होशियारी दिखाने की एक जगह है, ताकि हम घोटालेबाजों के झांसे में न आ जाएँ, किसी समकालीन मुद्दे का इस्तेमाल करने के लिए। ऐसी चीज़ों से बचने के लिए आपको बहुत होशियार होना होगा।

खैर, मैं आपका दो मिनट और समय लेकर आपको यह अंश पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। बुरी कला ने नीतिवचन 4, 4-9 को पढ़ने की जगह ले ली है, लेकिन यह एक अद्भुत अंश है जो कहता है, बुद्धि को हर चीज़ से ऊपर रखें, भले ही इसके लिए आपको अपना सब कुछ खोना पड़े। बुद्धि प्राप्त करें, क्योंकि बुद्धि सुरक्षा करेगी और बुद्धि मार्गदर्शन करेगी।

अब, मैं यहीं रुकता हूँ। आपके व्याख्यान की रूपरेखा में दो और बातें हैं, लेकिन वे स्वयं-व्याख्यात्मक हैं। एक मूर्खों के लिए बाइबिल के शब्दों के बारे में बात करता है, और यहीं पर डॉ. विल्सन की पुस्तक बहुत काम आती है, क्योंकि वह उन सभी को आपके लिए प्रस्तुत करता है, और इसलिए आप उन्हें जान सकते हैं।

और फिर अंत में, आखिरी बात वैचारिक समानताओं के बारे में बात करती है, एक बड़े परिदृश्य पर समानता, सिर्फ़ दो पंक्तियों के बारे में नहीं, बल्कि विनम्रता और गर्व, नशे और संयम, सत्य, झूठ, आदि के बीच वैचारिक समानताओं के बारे में। तो उन पर नज़र डालें। आप ठीक हो जाएँगे।

और भगवान की इच्छा से, हम बुधवार को अय्यूब का पाठ करने जा रहे हैं। फिर से, एक दिन में, यह एक हास्यास्पद बात है। यह डॉ. एलेन फिलिप्स अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम, व्याख्यान संख्या 24 में बता रही हैं।